गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी है बड़ी चुनौती : प्रणव

रांची में आइएमए के स्थापना दिवस और डीपीएस ग्रेटर स्कूल के उद्घाटन समारोह में पूर्व राष्ट्रपति ने की शिरकत

जागरण संवाददाता, रांची : पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अभी भी देश के लिए बड़ी चुनौती बताया है। वह शनिवार को रांची में आइआइएम के 10वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि देश में शिक्षण संस्थानों की कमी नहीं है, लेकिन इसमें गुणवत्ता की कमी है। रिसर्च में भी कमी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा से ही क्वालिटी पर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि 1930 में सीवी रमण को नोबेल पुरस्कार मिला। इसके बाद तीन और भारतीयों को नोबेल पुरस्कार मिला, लेकिन स्नातक के बाद रिसर्च के लिए उन्हें देश से बाहर जाना पड़ा। हर वर्ष एक बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए देश से बाहर चले जाते हैं, जबकि नालंदा और विक्रमशिला जैसी यूनिवर्सिटी विश्व में लीडिंग यूनिवर्सिटी रहे थे। उन्होंने कहा कि हम रिसर्च, इनोवेशन और टोटल डेवलेपमेंट ऑफ फैकल्टी ऑफ स्टूडेंट्स पर ध्यान दें। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत व नृत्य पर सभी को खूब झुमाया। मौके पर आइआइएम के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सिंह, चेयरमैन पीके पांडया सहित सभी विद्यार्थी व फैकल्टी थे।

पूर्वोतर से हो सकती हरित क्रांति की शुरुआत: प्रणव मुखर्जी ने कहा कि दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत पूर्वोतर क्षेत्र से हो सकती है। क्योंकि इसके लिए इस क्षेत्र में पर्याप्त संभावनाएं हैं। नदी, जंगल, जमीन हैं। पूर्वोतर भारत के लगभग क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त हैं। साथ ही इस क्षेत्र में इन्वेस्टमेंट के लिए भी उचित माहौल है। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार प्रयासरत हैं।

आईआईएम के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी • जागरण

अच्छी होती जीडीपी तो मिट जाती गरीबी

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के समय देश की जीडीपी 1 प्रतिशत थी। इसके बाद 7 प्रतिशत से अधिक रही। यदि जीडीपी 8-10 प्रतिशत होती तो भूख, गरीबी, बीमारी आदि से निजात मिल जाती। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जॉब क्रिएटर बनें। परिश्रम के लिए शार्टकट रास्ता नहीं होता, बिजनेस का मतलब केवल लाभ कमाना नहीं, सामाजिक भागीदारी भी हो।

लीडरशिप का गुण विकसित करें

प्रणव मुखर्जी ने कहा कि मेरा मानना है कि किसी में लीडरशिप का गुण जन्मजात नहीं होता, बल्कि उसमें ऐसे गुण लाए जाते हैं। किसी की प्रतिभा को सही आकार देकर उनके अंदर की चमक को बाहर निकाला जाता है।

देखें कि आपने रांची व देश को क्या दिया : डॉ. शैलेंद्र

आइआइएम के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने छात्रों से कहा कि आप यह नहीं देखें कि रांची और देश ने आपके लिए क्या किया, बल्कि यह देखें कि आपने रांची व देश को क्या दिया। उन्होंने कहा कि आइआइटी का मकसद बहुमुखी विकास है। छात्रों से कहा कि आप पूर्व राष्ट्रपति की सफलता का 10 प्रतिशत भी सीख लें तो आप सफल हो जाएंगे।

हट कर सोचें : प्रवीण पांड्या

चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने छात्रों से कहा कि कुछ हट कर सोचने की जरुरत है। फ्यूचर विजन से नयापन आता है। उन्होंने कहा कि देश में टेलककॉम इंडस्ट्रीज अच्छा कर रहा है। हमें मैन्यूफैक्चरिंग के बारे में चाइना से सीखना चाहिए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले 13 विद्यार्थी हुए सम्मानित

आइआइएम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 13 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें एमबीए के जसमीत सिंह बिंद्रा, रिधिमा माहेश्वरी, सुमेधा गुप्ता हैं। इसी तरह एमबीए एचआर के रितुपर्णा नाथ, कानूप्रिया जैन व सुरभि सेठी हैं। पीजीडीएम के तरुण चौधरी, अंकित मार्धा व वैद्य विनित जतनलाल, सुधीर, जॉय कुंडू व विशाख भारद्वाज, ए. विश्वास, मो. अनीश व जेशिका डाकलिया भी सम्मानित हुए।

Dainik Jagran, 16.12.2018, Pg. 4